सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्य: ` 02

साध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरूवार, 18 सितंबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 245, पृष्ठ: 8+4

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 देशों की सूची कांग्रेस में पेश की

» Pg12

इनसाइड निराश्रित श्वानों के लिए कानपुर नगर निगम की बड़ी पहल » Pg3

सीजेआई गवई बोले, 'मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं'

» भगवान श्री विष्णु को लेकर टिप्पणी विवाद पर ष्छ्ठ्ठ बीआर गवई ने अपना रुख साफ किया है , कहा कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया

» CJI बीआर गवई एक बयान के बाद देश में अलग अलग प्रक्रियाएं सामने आई हैं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति पर अपनी टिप्पणी से विवाद पैदा होने के बाद सीजेआई बीआर गवई ने गुरुवार को अपना रुख स्पष्ट किया। सीजेआई ने कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।लाइव लॉ ने सीजेआई गवई के हवाले से कहा, किसी ने मुझे दूसरे दिन बताया कि मेरे द्वारा की गई टिप्पणियों को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से पेश किया गया है,मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।

सीजेआई का स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले उन्होंने मंगलवार को मध्य प्रदेश में यूनेस्को की विश्व धरोहर खजुराहो मंदिर परिसर के एक हिस्से, जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट की मूर्ति के पुनर्निर्माण और पुनः स्थापित करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने इसे प्रचार हित याचिका कहा था।

सीजेआई के बयान पर लोगों ने सोशल मीडिया पर जताई थी नाराजगी

सीजेआई बीआर गवई ने याचिकाकर्ता से कहा था कि जाओ और देवता से ही कुछ करने के लिए कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो जाओ और अभी प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और एएसआई को अनुमति वगैरह देनी होगी। माफ करना। सीजेआई की इस टिप्पणी के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं दी हैं।

एडवोकेट विनीत जिंदल नाम के यूजर ने सीजेआई की टिप्पणियों को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, सनातन धर्म का अनुयायी होने के नाते, मैंने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को एक पत्र भेजकर भगवान विष्णु और हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली उनकी टिप्पणियों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। पत्र की एक प्रति भारत के माननीय राष्ट्रपति को भी भेजी गई है। राष्ट्रपति भवन यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस मामले पर राष्ट्रीय ध्यान दिया जाए। मुझे आशा है कि सर्वोच्च न्यायालय और भारत के राष्ट्रपति इसे गंभीरता से लेंगे और भारत में हर धर्म की गरिमा को बनाए रखेंगे।

एनएचआरसी के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने महाभारत का एक श्लोक पोस्ट करते हुए कहा, उक्त्वानस्मि दुर्बुद्धिं मंदं दुर्योधनं पुरा। यतः कृष्णस्ततो धर्मो यतो धर्मस्ततो जयः॥ यह श्लोक जो सर्वोच्च न्यायालय के प्रतीक चिह्न पर है वह महाभारत से लिया गया है श्लोक में जिन भगवान कृष्ण का उल्लेख है वे भगवानविष्णु के ही अवतार हैं। खैर भोले का भगवान होता है,वो सब देख रहे हैं।

पत्रकार राहुल शिवशंकर ने सीजेआई गवई की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, असंवेदनशीलता? एक हिंदू भक्त द्वारा जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की खंडित मूर्ति की पुनर्स्थापना के लिए अदालत से निर्देश मांगने की याचिका पर, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा,जाओ और भगवान से ही कुछ करने के लिए कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो जाओ और अभी प्रार्थना करो।

पीएम के जन्मदिन पर जूता पॉलिश कर जताया विरोध

सेवा पखवाड़ा बनाम बेरोजगारी दिवस: यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव की आहट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 भले ही दूर हो, लेकिन राजनीतिक सरगसेर्मी अभी से तेज होने लगी है। सत्ताधारी बीजेपी और विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने-अपने तरीके से जनता को साधने की कोशिश शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर बीजेपी सरकार ने राजधानी लखनऊ से सेवा पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें समाज से जुड़ाव और रचनात्मक कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। बीजेपी इसे सेवा और समाज कल्याण से जोड़कर जनता के बीच ले जा रही है।वहीं, दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी ने इस दिन को बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाकर विरोध दर्ज कराया। सपा कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में जूता पॉलिश कर अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। उनके हाथों में 17 सितंबर – बेरोजगारी दिवस और नो मोर बीजेपीफ्र जैसे पोस्टर भी थे।

सपा कार्यकर्ता जय सिंह यादव ने कहा कि साल 2014 में बीजेपी ने हर साल 2 करोड़ नौजवानों को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन आज हालात उलटे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने जिनके पास रोजगार था, उनका भी रोजगार छीन लिया। बड़े–बड़े डिग्रीधारी युवा नौकरी के इंतजार में हैं, लेकिन उनकी आस पूरी नहीं हुई।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सेवा पखवाड़े से लेकर बेरोजगारी दिवस तक की यह कवायद दरअसल 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का ही हिस्सा है। जहां बीजेपी अपनी उपलब्धियां गिनाकर जनता को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं सपा बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने में जुटी है।

नगर निगम: फेशियल रिकॉग्निशन आधारित अटेंडेंस सिस्टम शुरू

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कर्मचारियों की हाजिरी में चल रहे खेल और फर्जीवाड़े पर अब पूरी तरह रोक लगाने की तैयारी हो गई है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर निगम ने फेशियल रिकॉग्निशन आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम की शुरुआत की है। इस नई तकनीक से अब किसी भी कर्मचारी की फर्जी उपस्थिति दर्ज नहीं हो सकेगी।

इस तरह से हर वार्ड में लगेगी हाजिरी

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि इस व्यवस्था का मकसद सिर्फ उपस्थिति दर्ज कराना नहीं, बल्कि स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना, कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना और भ्रष्टाचार खत्म करना है।

इस अत्याधुनिक सिस्टम में डुअल कैमरा, नाइट विजन ढ्ढक्र सेंसर और मास्क के साथ भी पहचान जैसी सुविधाएँ हैं। अधिकारी डेशबोर्ड से किसी भी वक्त उपस्थिति रिपोर्ट देख सकेंगे।

लगभग 3.5 करोड़ की लागत से तैयार यह परियोजना UPDESCO द्वारा लागू की गई है। इसका शिलान्यास 2 जनवरी 2024 को हुआ था और अब 17 सितम्बर 2025 को औपचारिक शुभारंभ हो गया है।

इस कदम से सफाई कर्मियों की पारदर्शी निगरानी होगी, फर्जी हाजिरी पर रोक लगेगी और शहरवासियों को बेहतर स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

ऑनलाइन हाजिरी सिस्टम की प्रमुख विशेषताएं

- अब नगर निगम के 7200 से अधिक कर्मचारी फेस अटेंडेंस मशीन से अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे।
- 116 मशीनें छह जोनल कार्यालयों और 110 वार्डों में लगाई गई हैं।
- प्रत्येक कर्मचारी को ड्यूटी के शुरू और खत्म होने पर दो बार अटेंडेंस करानी होगी।
- अनुपस्थित रहने या फेस अटेंडेंस न कराने पर वेतन स्वतः रोक दिया जाएगा।
- यह प्रणाली, ढ्ढ आधारित निगरानी से लैस है, जो रियल टाइम रिपोर्टिंग और मॉनिटरिंग करेगी।

सड़क पर बवाल: सेवानिवृत्त बीएसएफ जवान ने तमंचा लहराया

» **नानकारी में गाड़ी हटाने को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद**

» **तलवार-हाकी से हमला करने की कोशिश, पुलिस ने दो को दबोचा**

»प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नानकारी इलाके में बुधवार दोपहर गाड़ी हटाने को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया। मामला उस वक्त बिगड़ गया जब सेवानिवृत्त बीएसएफ का जवान प्रशांत सिंह राठौर अपने साथियों संग शराब पार्टी कर रहा था। गाड़ी हटाने की बात कहने पर प्रशांत भड़क उठा और तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। वहीं उसके साथी तलवार और हाकी लेकर सामने वालों पर टूट पड़े।

जिम संचालक अरुण कुमार मिश्रा और उनके साले अनुज द्विवेदी ने बताया कि जिम के पास स्कॉर्पियो कार में बैठकर प्रशांत अपने साथियों शैलेंद्र और धर्मेंद्र के साथ शराब पी रहा था।

जब गाड़ी किनारे करने को कहा गया तो वह गाली–गलौज और धमकी पर उतर आया। तमंचा निकालने और हमला करने की कोशिश होते ही इलाके के लोग दौड़े और प्रशांत को दबोच लिया। मौके से तमंचा भी बरामद हुआ।लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात काबू में किए। स्कॉर्पियो कार की तलाशी में बीयर, शराब की बोतलें, तलवार और हाकी मिलीं। हालांकि मौके से शैलेंद्र भाग निकला लेकिन बाद में उसके घर से दबोच लिया गया।

कार भी सीज कर दी गई है।एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें प्रशांत का बवाल और तमंचा लहराने की तस्वीरें साफ दिखाई दे रही हैं।

मैनहोल का ढक्कन टूटा, गिरा बच्चा,बाल-बाल बचा, पार्षद बोले- अधिकारियों को कराया गया है अवगत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पार्षद जितेंद्र कुमार चौरसिया का कहना है कि जानकारी पर जलकल विभाग के अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया था। मैनहोल के ढक्कन की मरम्मत करा दी गई है।

कानपुर में ओमपुरवा में बन रही इंटरलॉकिंग टाइल्स की सड़क पर मैनहोल का ढक्कन टूट गया था।

सोमवार को ओमपुरवा में रहने वाले रवि का सात साल का बेटा अनिरुद्ध खेलते–खेलते अचानक मैनहोल में गिर गया था। गनीमत रही कि बच्चा खुद को संभालते हुए किसी तरह बाहर निकल आया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पार्षद जितेंद्र कुमार चौरसिया का कहना है कि जानकारी पर जलकल विभाग के अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया था। बुधवार को मैनहोल के ढक्कन की मरम्मत करा दी गई है। अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

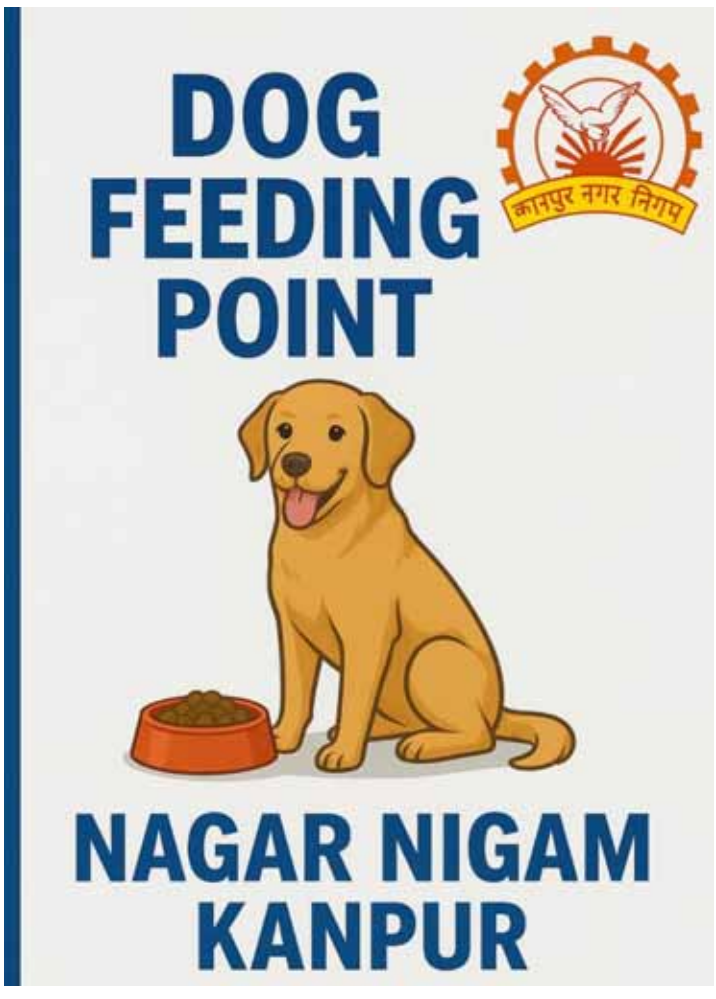

निराश्रित श्वानों के लिए कानपुर नगर निगम की बड़ी पहल

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 55 डॉग फीडिंग सेंटर शुरू

नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर पशु चिकित्सा विभाग ने की व्यवस्था

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। निराश्रित श्वानों की बढ़ती समस्या पर लगाम लगाने और उन्हें व्यवस्थित तरीके से भोजन उपलब्ध कराने के लिए कानपुर नगर निगम ने एक बड़ी पहल की है। उच्चतम न्यायालय के आदेश (22 अगस्त 2025) और पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम-2023 के अनुपालन में नगर निगम कानपुर ने शहर के विभिन्न इलाकों में 55 पेट फीडिंग सेंटर शुरू कर दिए हैं।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि इन फीडिंग सेंटरों का चयन इस तरह किया गया है कि वे बच्चों के खेल स्थलों, स्कूलों, बुजुर्गों की आवाजाही वाले स्थानों और भीड़-भाड़ वाले मार्गों से दूर हों। निगम का कहना है कि सामुदायिक श्वानों को अब सिर्फ इन निर्धारित स्थलों पर ही भोजन कराया जाएगा। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

नगर आयुक्त ने बताया कि फीडिंग सेंटरों की स्थापना से न केवल श्वानों को सुरक्षित ढंग से भोजन मिलेगा, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि श्वानों का स्वभाव क्षेत्रीय होता है और यदि उन्हें उनके क्षेत्र से बाहर भोजन के लिए भटकना पड़े तो आक्रामकता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। निर्धारित भोजन स्थल इस समस्या को काफी हद तक रोकेंगे।

वहीं, सीवीओ डॉ आरके निरंजन ने कहा कि यह भी स्पष्ट किया गया है कि भोजन कराने वाले पशु प्रेमियों को स्थल पर स्वच्छता बनाए रखनी होगी और बचा हुआ भोजन सुरक्षित तरीके से निस्तारित करना होगा।

साथ ही उन्हें निगम के बंध्याकरण और टीकाकरण कार्यक्रम में भी सहयोग करना होगा।

जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा, जिसमें नागरिकों को यह बताया जाएगा कि सामुदायिक श्वानों से कैसे व्यवहार करें और उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक कैसे भोजन कराएं।

नगर निगम ने कहा है कि निराश्रित श्वानों की देखभाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकायों, एनजीओ और पशुप्रेमियों को राज्य सरकार की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

सीवीओ ने बताया कि 55 पेट फीडिंग सेंटर शुरू होने से शहर में न सिर्फ आवारा श्वानों की समस्या नियंत्रित होगी बल्कि मानव और पशु के बीच बेहतर सह-अस्तित्व का माहौल भी बनेगा।

ठप है जलापूर्ति, पांच गांवों के ग्रामीणों ने किया हंगामा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गांव में पिछले 15 महीने से पानी की टंकी की बोरिंग खराब होने से जलापूर्ति ठप है, जिससे पांच गांवों के ग्रामीण परेशान हैं। पानी न मिलने से गुस्साए ग्रामीणों ने आज टंकी के पास जमकर हंगामा किया।कानपुर में सखरेज गांव की पानी की टंकी की बोरिंग पिछले 15 महीने से खराब पड़ी है। इसके कारण सखरेज समेत पांच गांवों में पेयजल की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। जलापूर्ति न होने से परेशान होकर कंठीपुर, सुज्जापुर, जिंदपुर, गड़रियनपुरवा और सखरेज के ग्रामीणों ने पानी की टंकी के पास जमकर हंगामा किया।ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें पीने के पानी के लिए दूसरे गांवों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। लोग ट्रैक्टर, बाइक और अन्य साधनों से दूर-दराज के हैंडपंपों से पानी लाकर अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मजबूर हैं। इस समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द बोरिंग को ठीक करवाकर जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है।

घरेलू विवाद खत्म, काकादेव पुलिस ने बचाया टूटता रिश्ता बचाया

» अदालती कार्यवाही से बचा परिवार, खुशी-खुशी लौटे अपने घर

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

काकादेव पुलिस की समझाइश से घर लौटा दंपति, परिवार में खुशी का माहौल

कानपुर। घरेलू विवाद में फंसे एक दंपति को काकादेव पुलिस ने समझा-बुझाकर फिर से एक कर दिया। परामर्श कमेटी की पहल पर पति-पत्नी ने एक-दूसरे को समझा और अब नया जीवन साथ बिताने का निर्णय लिया।श्रीमती जमुना देवी पुत्री स्व. राजेंद्र, निवासी विजयनगर थाना काकादेव ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनके पति जितेंद्र कुमार पुत्र रमेश चंद्र, निवासी कोड थाना जहानाबाद जिला फतेहपुर, घरेलू विवाद को लेकर आए दिन मारपीट और झगड़ा करते हैं। इसी वजह से वह लंबे समय से अपने मायके में रह रही थीं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसीपी स्वरूप नगर और प्रभारी निरीक्षक काकादेव राजेश कुमार शर्मा, अतिरिक्त निरीक्षक उदयवीर सिंह के मार्गदर्शन में परिवार परामर्श कमेटी प्रभारी वरिष्ठ उप निरीक्षक शिवकरन वर्मा, काउंसलर शगुन खट्टर और महिला गार्ड संध्या ने दोनों पक्षों को बैठाकर समझाया। काफी समझाइश के बाद पति-पत्नी आपसी सहमति से पुनः साथ रहने को तैयार हो गए।पति-पत्नी ने थाना काकादेव पुलिस की सराहना करते हुए खुशी-खुशी अपने घर वापसी की। पुलिस की इस पहल से न केवल अदालती कार्यवाही टल गई .।

11.90 करोड़ का वैट बकाया,आयरन स्क्रैप व्यापारी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर में वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) की बकायेदारी पर एसजीएसटी के अफसरों ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। 11.90 करोड़ के बकाया वैट पर शहर में पहली बार आयरन स्क्रैप व्यापारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। व्यापारी पर 2014-15, 2015-16 और 2016-17 से वैट की बकायेदारी है। फर्म भी बंद की जा चुकी है। जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो वह अपने पिता की फर्म में थे।

जिला प्रशासन की भू-राजस्व वसूली की तर्ज पर कार्रवाई की गई। प्रमुख सचिव राज्यकर एम. देवराज के निर्देश पर वैट की पुरानी बकाया वसूली के लिए प्रदेशव्यापी अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में अपर आयुक्त ग्रेड 1 राज्य कर (कानपुर जोन प्रथम) सैमुअल पाल एन एवं संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) राज्य कर संभाग बी की ओर से कार्रवाई की गई।बताया गया कि खंड 09 के बकायेदार राजीव इंटरप्राइजेज का टिन नंबर 09937520627 है। फर्म का पता 85/69 झकरकटी कानपुर है। इन पर तीन साल से कुल 11.90 करोड़ बकाया वसूली लंबित थी। फर्म संचालक ने व्यापार बंद कर दिया लेकिन बकाया धनराशि जमा नहीं की गई। विभाग लंबे समय से बकायेदार की तलाश कर रहा था। बकायेदार के नाम कोई चल अथवा अचल संपत्ति भी नहीं है।डिप्टी कमिश्नर मंजूश्री अमीन जितेंद्र के साथ व्यापारी राजीव गुप्ता के यशोदानगर स्थित आवास पर पहुंचीं। यहां पता चला कि वह अपने पिता के व्यापार स्थल सर्वश्री शक्ति आयरन स्टील पर गए हुए हैं। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर टीम के साथ वहां पहुंचीं। वहां व्यापारी मिल गए और उनसे बकाये की कुछ धनराशि तत्काल जमा करने की बात कही। इस पर फर्म संचालक ने बकाया जमा करने से इन्कार कर आसपास के दुकानदारों को इकट्ठा करना शुरू कर दिया।फिर डिप्टी कमिश्नर ने जिला प्रशासन से मदद लेते हुए एसीएम सात रामशंकर को जानकारी दी। बाद में व्यापारी को गिरफ्तार कराकर 14 दिनों के लिए जेल भेज दिया गया। कहा गया कि यदि बकायेदार बकाया की धनराशि को जमा कर देते हैं तो जेल से छोड़ दिया जाएगा। बताया गया कि कानपुर नगर में बकाये पर गिरफ्तारी की पहली कार्रवाई है। पुराने बकायेदारों पर भू-राजस्व बकाये के रूप में वसूली की कार्रवाई लगातार की जाएगी।

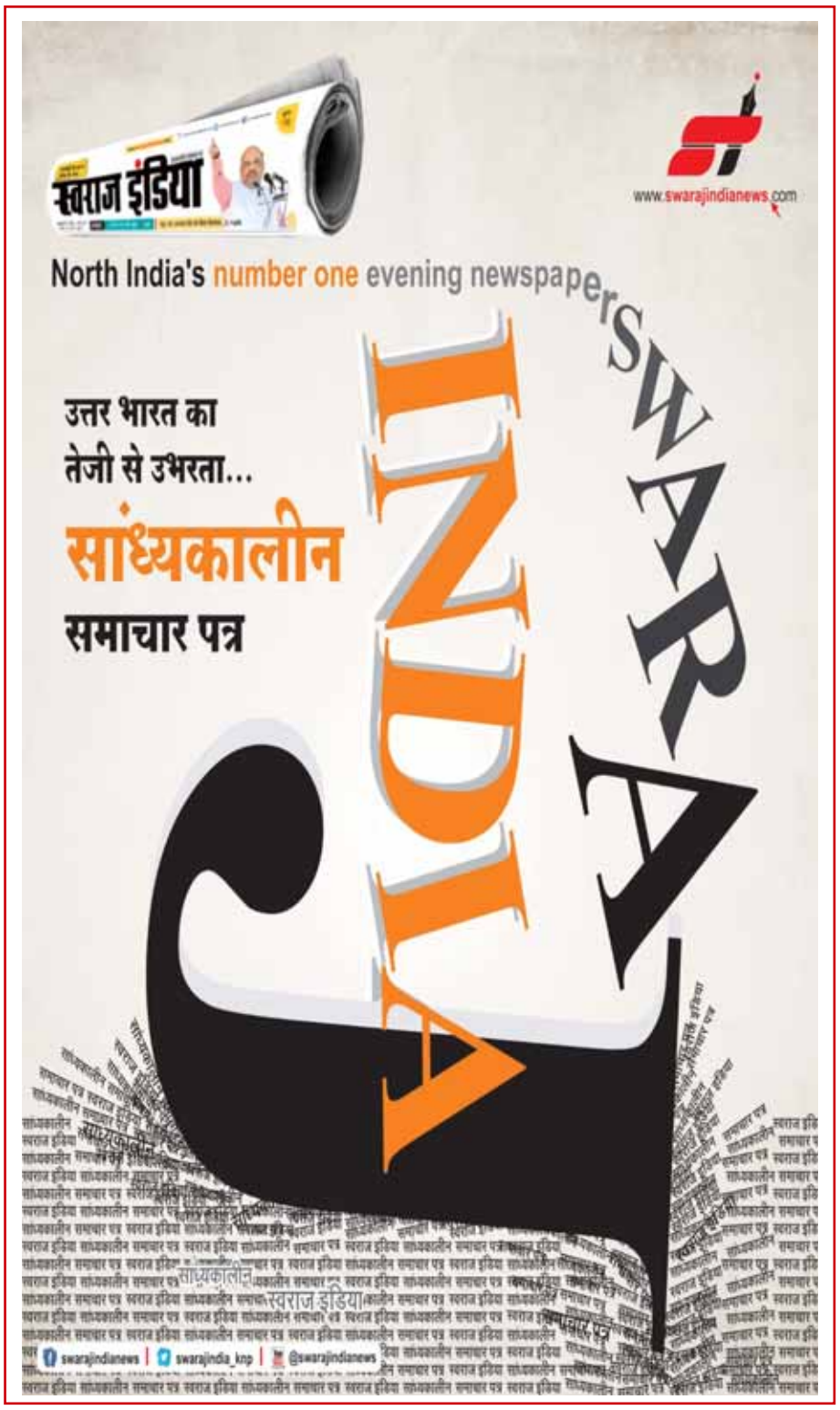

सम्पादकीय

आक्रामक इस्राइली कार्रवाई से भारी तबाही

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है।वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। , जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं।लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है।

अमेरिका के पाकिस्तानी मोह में फंसने की तार्किकता

ज्योति मल्होत्रा

कमजोर आर्थिकी, छद्म लोकतंत्र और आतंकी हमलों के साजिशकर्ता देश के प्रति अमेरिका के प्रेम पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, अमेरिका की सोच है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की उपयोगिता भले कामों में बरतने के बजाय नुकसान पहुंचाने वालों से निबटने में अधिक है। पहले प्रशंसा व फिर सुरक्षा परिषद की दो प्रमुख समितियों में पाक को अहम ओहदे देना इसी रणनीति का अंग हो सकता है।ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के औचित्य को समझाने के वास्ते पिछले दो हफ़्तों में 40 से ज़्यादा भारतीय राजनेताओं और पूर्व राजनयिकों से बने सात प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में भेजे गए, लेकिन गत 14 जून को वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख और अब फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को आमंत्रित किया गया।

इस बार की परेड में कुछ पुराना फौजी साजो-सामान 1991 के बाद पहली बार दिखा- 6,600 सैनिक, 28 अब्राम टैंक, 28 ब्रैडली लड़ाकू वाहन, 28 स्ट्राइकर वाहन, चार पैलाडिन सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्ज़र तोपें, आठ मार्चिंग बैंड, 24 घोड़े, दो खच्चर और एक कुत्ता - कुछ रॉकेट लॉन्चर और प्रिसिजन-गाइडेड मिसाइलें भी। इस रोज़ डोनॉल्ड ट्रंप का 79वां जन्मदिन भी था। इस बीच, सांसदों के सभी सातों प्रतिनिधिमंडल स्वदेश लौट आए और उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। लंदन, पेरिस, रोम, कोपेनहेगन, बर्लिन और ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय की यात्रा पर गए भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने लौटने पर संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने इन सभी यूरोपीय शहरों में अपने वार्ताकारों को आतंकवाद के प्रति भारत की 'ज़ीरो टॉलरेंस' बारे बताया। प्रसाद ने कहा : 'हमने साफ कर दिया कि हम पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ नहीं। समस्या पाकिस्तान के जनरलों से है, जिनसे खुद वहां के लोग भी तंग आ चुके हैं।' लगता है प्रसाद खबरों को ध्यान से नहीं पढ़ रहे हैं। दो दिन पहले ही वाशिंगटन डीसी में, यूएस सेंट्रल कमांड के शक्तिशाली कमांडर जनरल माइकल ई कुरिल्ला ने यूएस सीनेट सशस्त्र सेवाएं समिति को बताया कि पाकिस्तान एक 'खास साझेदार' है, खासकर आतंकवाद विरोधी मोर्चे पर।कुरिल्ला ने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह कोई बाइनरी स्विच जैसा होना चाहिए कि यदि हम भारत के साथ संबंध रखें, तब हमें पाकिस्तान के साथ (संबंध) नहीं रखने चाहिए।' इससे कुछ दिन पहले, कुरिल्ला के बॉस, डोनॉल्ड ट्रम्प ने भी घोषणा की थी, 'पाकिस्तान के पास बहुत मजबूत नेतृत्व है। कुछ लोगों को यह नागवार लगता है जब मैं ऐसा कहता हूं, लेकिन हुआ यही है, और उन्होंने उस युद्ध को रोक दिया। मुझे उन पर बहुत गर्व है। क्या मुझे श्रेय मिल रहा है? नहीं। वे मुझे किसी भी चीज़ का श्रेय नहीं दे रहे।'तब भारत और अमेरिका के बीच प्रसिद्ध 'रणनीतिक साझेदारी' का क्या बना? इसके अलावा, क्या भारत और पाकिस्तान के बीच हमें सख्त नापसंद 'हाइफ़नेशन'(दोनों को बराबर पलड़े में तोलना) फिर से बन गया है? बड़ा सवाल, बेशक, यह कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अभी भी ऐसे मुल्क के मोहपाश में क्यों फंसा है, जिसकी अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है (आईएमएफ से 25 ऋण ले रखे हैं), जो कहने भर का लोकतंत्र है और भारत में आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड बना हुआ है, जिसमें नवीनतम कांड पहलगाम में हुआ दुर्दांत हमला है।लेकिन ट्रम्प ने आपसी व्यापार में लेन-देन में बराबरी रखने की अपनी प्रवृति के साथ दुनिया में उलटफेर कर दिया। पाकिस्तान को एक नयी राह की तरह देखा जाने लगा है। हिलेरी क्लिंटन ने 2012 में पाकिस्तान को लेकर दुविधा को बहुत भावुकता से व्यक्त किया था 'बात यह नहीं कि आपने पिछवाड़े में कितने सांप पाल रखे हैं।और क्या वे आपको नहीं डंस सकते'। एक बार फिर मामला है कि आप अमेरिकियों को एक-दो सांप ऐसे सौंप दें कि वे आपकी सपेरागिरी के कायल हो जाएं।यहां तीन कारण हो सकते हैं कि क्यों पश्चिमी देश पाकिस्तान के मोहपाश में फंसने को तैयार हैं -पहला, आतंकियों पर पाकिस्तान का निरंतर प्रभाव उसे एक कीमती मित्र बनाता है। हाल ही में, पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्लाह 'जफ़र' सहित इस्लामिक स्टेट के पांच लड़ाके अमेरिकियों को सौंपे, जो 2021 में काबुल हवाई अड्डे के पास बम हमले में शामिल थे, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। तथ्य तो यह कि भले ही 'जफ़र' इस काबुल हमले का मास्टरमाइंड रहा हो, लेकिन वह आईएस के शीर्ष नेतृत्व में नहीं था।

मौन की भाषा से रची कालजयी कृतियां

अंर्तमन

सुचिता खन्ना

कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं।

शब्द सुंदर लगते हैं, जीवन को गति देते हैं, ध्वनि देते हैं। दो लोगों के बीच शब्द ही एक ऐसी दूरी है जो उनके बीच पुल का काम करती है। क्या होता है जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा से परिचित नहीं होते। ऐसे में मौन उनकी भाषा बनता है। मौन अत्यंत सशक्त भाषा है। जो मौन की शक्ति और भाषा को पहचान जाता है, वह स्वयं को मानवीयता के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित कर लेता है। अनेक ऋषि-मुनि मौन व्रत रखते हैं। कई मौनी बाबा भी होते हैं जो मौन रहकर अपनी शक्ति से आम लोगों को परिचित कराते हैं।

योग न केवल शरीर को निरोग रखता है, अपितु योग की अनेक प्रवृत्तियां व्यक्ति को सुख, शांति प्रदान करती हैं और उनकी छठी इंद्रिय को जाग्रत करती हैं।

नाद योग के अंतर्गत ध्वनि को अत्यंत शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा जाता है। नाद योग में ध्वनि और कंपन के माध्यम से तन-मन, शरीर और आत्मा संतुलित होते हैं। विभिन्न ध्वनियां जिसमें मौन भी शामिल है, शरीर के ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्या आपने कभी मौन की भाषा को समझने का प्रयास किया है। कई बार जब दो लोग बातें करते-करते अनायास चुप हो जाते हैं, उनके बीच एक लंबी खामोशी पसर जाती है, एक विराम आ जाता है तो उस समय उस रिक्त स्थान पर मौन की उपस्थिति हो जाती है। यह अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। विश्व के सुप्रसिद्ध संगीतकार वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट कहते हैं कि, 'किसी बात के मध्य का मौन उस बात के जितना ही महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने इस उद्धरण को स्वयं के साथ महसूस किया था। उनके दांपत्य जीवन को जोड़ने में मौन की भूमिका बेहद सशक्त रही। इसलिए वे मौन की शक्ति से परिचित थे। संगीतकार होने के कारण भी वह और उनकी प्रेमिका मौन के महत्व को जानते थे।मोजार्ट बचपन से ही प्रतिभा के धनी

थे। मात्र तीन साल की उम्र में ही उन्हें संगीत की समझ हो गई थी। पांच साल की उम्र में उन्होंने संगीत की रचना करनी आरंभ कर दी थी। आठ साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी। वर्ष 1781 की एक सर्द शाम में उनकी नज़र एक युवती कॉन्सटैंज़ वेबर पर पड़ी। वह 19 वर्ष की गायिका थी। उसके घर में संगीत का वातावरण था। वह छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कॉन्सटैंज़ को देखते ही मोजार्ट अपनी सुध-बुध खो बैठे। जब वह उनके सामने आई तो उनके मुख से शब्द ही नहीं निकले। एक मौन उन दोनों के बीच व्याप्त था। उस मौन की भाषा ने केवल उन्हें ही नहीं समझाया, अपितु उनके दिलों पर भी कब्जा कर लिया। जो बातें शब्द न कह पाए, वह मौन ने मुखर होकर कह दिया कि दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया है।

प्रेम की स्वीकृति मिलने पर दोनों के मन में शोर मचने लगा। निःशब्द शोर। ऐसा शोर जो चुप रहकर अपना काम करता है और बहुत तेजी से करता है। कई बार दोनों घंटों साथ रहते, उनके बीच शब्दों का आदान-प्रदान कम होता और मौन की भाषा उनके दिलों को आपस में जोड़ती जाती। आखिर मौन की शक्ति ने काम किया और दोनों विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। दोनों का दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहा। हालांकि, मोजार्ट की असमय मृत्यु से उनका दाम्पत्य जीवन लंबा नहीं रहा। मगर विवाह के बाद मोजार्ट ने अपने ओपेरा, 'द एबडक्शन फॉम द सेराग्लियो' और 'द मैरिज ऑफ फिगारो' से पूरी दुनिया में धूम मचा दी। मौन के साथ संबंधों में अधिक सृदृढ़ता कायम रहती है। जिन संबंधों में लोग मौन के साथ शब्दों का प्रयोग करते हैं, उनके संबंध अधिक सशक्त रहते हैं।जो व्यक्ति अपनी प्रभावशाली बातों से सबको मोहित कर लेता है, वह सब लोगों को अपने मोहपाश में जकड़ लेता है। वहीं कई बार ऐसे व्यक्ति जो बोलने के बजाय मौन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रभावशाली बोलने वालों से अधिक योग्य और प्रतिभाशाली साबित होते हैं। मौन में ज्ञान निहित होता है। कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं। यह सदैव याद रखें कि सशरीर कोई व्यक्ति अमर नहीं होता। उनके शब्द, प्रतिभा और व्यक्तित्व मृत्यु के साथ मिट जाते हैं। अमिट रह जाती हैं तो वे कलाकृतियां, धुनें और रचनाएं जो मौन के साथ जन्म लेती हैं और सदा के लिए अमर हो जाती हैं।

इसलिए यदि आपने अपने जीवन में अभी तक मौन का अभ्यास नहीं किया है, इसको नहीं समझा है तो समझिए क्योंकि यही मौन आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएगा। आपके जीवन को सफल बनाएगा। आपके मौन की गूंज से जन्म लेने वाली स्थितियां और परिस्थितियां आगे चलकर अमर हो जाएंगी।

नवरात्रि से पहले 25 लाख कीमत के 101 मोबाइल लौटाए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर पुलिस ने नवरात्रि से पहले शहरवासियों को बड़ी राहत देते हुए 101 खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को लौटा दिए। इन मोबाइल फोनों की कुल कीमत लगभग ?25 लाख आंकी गई है।पुलिस ने बताया कि मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया और कई जनपदों व अंतरजनपदीय क्षेत्रों से मोबाइल बरामद किए।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी और अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में सर्विलांस सेल की टीम ने अथक मेहनत से सफलता हासिल की ।मोबाइल फोनों की वापसी ने न केवल नागरिकों को आर्थिक मदद दी, बल्कि उनके निजी डेटा की सुरक्षा भी सुनिश्चित की। नागरिकों ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका खोया हुआ फोन वापस मिलेगा, लेकिन पुलिस की इस पहल ने उनके मन में विश्वास और सकारात्मकता को और मजबूत किया है ।कानपुर पुलिस का यह कदम नवरात्रि से पहले शहरवासियों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। यह पहल न केवल उनकी सेवा और सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि जनविश्वास को भी नई मजबूती प्रदान करती है।

मोबाइल गुम होने पर क्या करें

नागरिक मोबाइल गुम होने की स्थिति में ऑनलाइन रिपोर्ट PCOP Øæ CEIR पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। साथ ही नजदीकी थाने में बने साइबर हेल्प डेस्क और सर्विलांस सेल में भी शिकायत कर सकते हैं।

बरामदगी करने वाली सर्विलांस टीम (पूर्वी जोन)

एस आई सुरदीप सिंह डागर (प्रभारी) सर्विलांस सेल

हेड कांस्टेबल अजय कुमार सिंह

कांस्टेबल जनार्दन प्रताप सिंह

कांस्टेबल हरि ओम यादव

कांस्टेबल गौरव कुमार

आरटीई दाखिले में धांधली पर लगेगी लगाम

आधार नंबर से होगा आवेदन अनिवार्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आरटीई (ऋद्बद्धह्ल ह्लश् श्वस्रह्वष्ड्डह्लद्बश्ट्ट) के तहत निजी स्कूलों में गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों के निःशुल्क दाखिले की प्रक्रिया अब पूरी तरह पारदर्शी होगी। सरकार ने इस बार आवेदन प्रक्रिया में बड़े बदलाव किए हैं। नई गाइडलाइन के तहत अब एक ही बच्चे के नाम पर कई आवेदन नहीं किए जा सकेंगे। इसके लिए बच्चे और अभिभावक - दोनों का आधार नंबर अनिवार्य कर दिया गया है।

पिछले वर्षों में कई अभिभावक बच्चों के नाम पर तीन–चार ऑनलाइन आवेदन कर देते थे, जिससे वास्तव में जरूरतमंद बच्चों का हक मारा जाता था। अपर मुख्य सचिव

दीपक कुमार द्वारा 8 सितंबर को जारी संशोधित गाइडलाइन में इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने की व्यवस्था की गई है।

विभाग द्वारा अस्वीकार प्रमाण पत्रों वाले आवेदन स्वतः निरस्त हो जाएंगे।

नई व्यवस्था से दाखिले की प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हो जाएगी। अभिभावक अब बच्चों के नाम पर धांधली नहीं कर पाएंगे और वास्तविक जरूरतमंदों को आरटीई का पूरा लाभ मिलेगा।

आवेदन की नई प्रक्रिया

आवेदन में बच्चे और माता–पिता का आधार नंबर दर्ज करना होगा।

आधार सत्यापन के बाद अभिभावक को अपने आधार–लिंक बैंक खातों में से एक का चयन करना होगा।

किताब, वर्कबुक और यूनिफार्म के लिए मिलने वाली 5000 की वार्षिक सहायता राशि सीधे इसी खाते में भेजी जाएगी।

प्रवेश की व्यवस्था

जिले के सभी गैर सहायतित निजी विद्यालयों की कक्षा–1 या पूर्व–प्राथमिक की कुल क्षमता का 25 प्रतिशत हिस्सा आरटीई छात्रों के लिए आरक्षित होगा।

चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

द्विस्तरीय सत्यापन

निःशुल्क दाखिले के लिए प्राप्त सभी आवेदनों का द्विस्तरीय सत्यापन होगा।

पहले खंड शिक्षा अधिकारी और फिर बीएसए अपने–अपने लॉगिन से सत्यापन करेंगे।

संलग्न प्रमाण पत्र संबंधित विभाग से ऑनलाइन जांचे जाएंगे।

आरपीएफ ने अपहृत नाबालिग को महाराष्ट्र पुलिस को सौंपा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आरपीएफ कानपुर सेंट्रल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए महाराष्ट्र के बीड़ जिले से अपहृत एक 17 वर्षीय नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर परिजनों और पुलिस को सुपुर्द किया।17 सितंबर को आरपीएफ उप निरीक्षक मोहम्मद असलम खान और सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह गश्त पर थे, तभी कानपुर सेंट्रल स्टेशन के कैंट साइड मेन हॉल में एक किशोर संदिग्ध अवस्था में मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम विवेक जोशी (पुत्र संतोष जोशी, निवासी गेवराई, थाना शिवाजी नगर, जिला बीड़, महाराष्ट्र) बताया। किशोर ने बताया कि 15 सितंबर को वह अपनी मां को पैसे देने और हाई स्कूल की सनद लेने के लिए निकला था, तभी रास्ते में अज्ञात लोगों ने उसका अपहरण कर काले रंग की स्कॉर्पियो में बैठा लिया और 17 सितंबर को कानपुर के आसपास सड़क पर छोड़कर फरार हो गए।आरपीएफ ने तुरंत उसके पिता से संपर्क कर मामले की जानकारी दी। पिता ने बताया कि उनका बेटा 15 सितंबर से लापता है और वे पुलिस के साथ कानपुर आ रहे हैं। इसके बाद बच्चे को आरपीएफ पोस्ट पर सुरक्षित रखा गया।18 सितंबर को थाना शिवाजी नगर, बीड़ के उप निरीक्षक ज्ञानेश्वर धोतरे और बच्चे के पिता संतोष जोशी कानपुर पहुंचे। थाना शिवाजी नगर में दर्ज एफआईआर की प्रति प्रस्तुत करने के बाद आरपीएफ ने नाबालिग विवेक को सही सलामत महाराष्ट्र पुलिस को सौंप दिया।

सपा नेताओं ने विश्वकर्मा जयंती पर किया श्रम और सृजन का आह्वान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कस्बे में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को विश्वकर्मा जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी निर्भय सिंह ने की। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का पहला शिल्पकार बताते हुए कहा कि उन्होंने लंका, द्वारका, पुष्पक विमान और सुदर्शन चक्र जैसी अद्भुत रचनाएं कर समाज को नई दिशा दी। इसी के साथ उन्होंने आज के युवाओं की कामचोरी और नेताओं की चाटुकारिता पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि मेहनतकश लोग ही समाज और देश की असली ताकत हैं।

» पूर्व जिलाध्यक्ष ने युवाओं की कामचोरी और चाटुकारिता पर साधा निशाना

»विधानसभा अध्यक्ष बोले- सपा हमेशा मजदूर, किसान और सैनिकों की आवाज

युवजन सभा के प्रदेश सचिव आशीष यादव चटरू ने कहा कि शिल्पकार वर्ग इस दिन अपने औजारों और मशीनरी का पूजन कर काम से अवकाश लेता है। यह परंपरा मेहनतकशों की आस्था और उनकी निष्ठा का प्रतीक है।उधर, बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने ककवन ब्लॉक परिसर में कार्यकर्ताओं संग पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा श्रम, कौशल और सृजन के प्रतीक हैं, जिनकी पूजा हमें परिश्रम और लगन के साथ समाज और राज्य की सेवा करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी मजदूरों, किसानों और सैनिकों की आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। इस मौके पर श्याम सुंदर यादव, शाहिर हुसैन जाफरी, अरशद सिद्दीकी, प्रदीप सविता, पप्पू यादव, कुलदीप यादव, तिलक सिंह, ऋषभ यादव, सुनील यादव, सोनू यादव, शुभम यादव, रामसरन गौतम, लाल जी गौतम, मनुज राजपूत, सुभाष शर्मा, राजाराम, राजकुमार कश्यप, रईस, विजय यादव, अनस मोनू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर रोटरी क्लब नार्थ ने लगाया रक्तदान शिविर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) पर रोटरी क्लब कानपुर नार्थ और जागरण इंस्टीट्यूट, साकेत नगर ने मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्थान के लगभग 30 से 35 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

रक्तदान करने के बाद सभी युवा दानवीर गर्व और ऊर्जा से भर उठे।कार्यक्रम में रोटरी क्लब कानपुर नार्थ के अध्यक्ष रोटेरियन मयंक गुप्ता, सचिव रोटेरियन अभिषेक श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रोटेरियन अजय वीर सिंह, रोटेरियन निशान बडेरा, रोटेरियन प्रतीक श्रीवास्तव, रोटेरियन रोहित अग्रवाल, रोटेरियन विष्णु डालमिया

सहित रोट्रैक्ट क्लब उड़ान से शिवांगी दुबे और उनकी टीम मौजूद रही।अध्यक्ष रोटेरियन मयंक गुप्ता ने बताया कि रोटरी क्लब समाजसेवा के कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहता है और आने वाले अक्टूबर माह में कई और रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।यह शिविर न सिर्फ रक्तदान की महत्ता को रेखांकित करता है, बल्कि युवाओं में सेवा भाव और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी मजबूत करता है।

पूरनपुर गांव में गोवध करते पकड़ा गया आरोपी, मुठभेड़ में लगी गोली

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना नरवल क्षेत्र के ग्राम पूरनपुर के बाहर खेत से लगे जंगल में ग्रामीणों ने 17 सितम्बर की सुबह कुछ व्यक्तियों को गोवंश (बैल) की हत्या कर मांस ले जाते देखा। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुँची पुलिस टीम को मौके पर ग्रामवासियों ने एक व्यक्ति को पकड़कर सौंपा।

घटना की जानकारी देती अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अंजली विश्वकर्मा

पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम जावेद पुत्र नफीस निवासी पेंचबंग, चमड़ा मंडी थाना बेकनगंज बताया।

पुलिस जब जावेद को घटनास्थल दिखाने और शेष फरार अभियुक्तों की तलाश में लेकर जा रही थी, तभी उसने पुलिस को धक्का देकर भागने का प्रयास किया और झाड़ियों में छिपा असलहा निकालकर पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें जावेद के पैर में गोली लग गई।

घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी सरसौल भेजा गया, जहाँ उसका इलाज जारी है।घटनास्थल से पुलिस ने एक 12 बोर की बंदूक, एक जिंदा कारतूस, एक पल्सर मोटरसाइकिल और गोवंश का मांस बरामद किया है। पूछताछ में जावेद ने अपने दो साथियों के नाम अनस पुत्र अरसद निवासी चमनगंज और एक अन्य साथी विजय बताए।

पुलिस टीम फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीएम और सीडीओ सम्मानित, राज्यपाल ने दिया प्रशंसा पत्र

» आंगनबाड़ी केंद्रों को संसाधन संपन्न बनाने की सराहना

» छात्राओं के लिए मुफ्त एचपीवी टीकाकरण की पहल को मिली पहचान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के 40वें दीक्षांत समारोह में जिले के जिलाधिकारी कपिल सिंह और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) लक्ष्मी एन. को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी टीम द्वारा जनकल्याण और सामाजिक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दिया गया।

राज्यपाल ने कहा कि कानपुर देहात प्रशासन ने आंगनबाड़ी केंद्रों को संसाधन संपन्न बनाने, उन्हें आवश्यक किट उपलब्ध कराने और बच्चों के पोषण एवं शिक्षा स्तर को मजबूत करने में सराहनीय कार्य किया है। साथ ही, छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए मुफ्त एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाना स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।प्रशंसा पत्र में उल्लेख किया गया कि जिले में सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचा है। चाहे बात पोषण अभियान की हो, महिला-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की हो या फिर शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की—जिला प्रशासन ने हर स्तर पर सक्रियता और प्रतिबद्धता दिखाई है।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यह सम्मान केवल दो अधिकारियों का नहीं, बल्कि पूरे जिला प्रशासन और उनकी टीम का है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि प्रशासनिक तंत्र के सभी कर्मचारियों को जनहित में और अधिक लगन और निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी जिला प्रशासन की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है और कहा है कि इससे जिले की छवि और विकास कार्यों को नई पहचान मिलेगी।

हाईवे पर तेल चोरी गिरोह का पर्दाफाश, दो बदमाश गिरफ्तार

100 लीटर पेट्रोल, नकदी और उपकरण बरामद, आपराधिक इतिहास भी आया सामने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। हाईवे पर खड़े वाहनों से डीजल और पेट्रोल चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। भोगनीपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर गिरोह के दो सदस्यों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय और अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार पांडेय के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इमरान (32) और अल्ताफ (45) निवासी आजाद नगर, अमरौधा, भोगनीपुर के रूप में हुई है। इनके पास से 100 लीटर चोरी का पेट्रोल, 29,500 रुपये नकद, एक चार पहिया वाहन और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद हुए हैं। बरामद सामान में खाली कैन, पाइप, कीप, पाना, रेंच और हथौड़ी शामिल हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे अधिक कमाई के लालच में हाईवे के किनारे खड़े ट्रकों और अन्य वाहनों से डीजल/पेट्रोल चोरी कर सस्ते दामों पर बेचते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी अल्ताफ पर पहले भी भारतीय विद्युत अधिनियम और गौवध अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं।पकड़े गए दोनों बदमाशों को न्यायालय में पेश किया जाएगा,

वहीं फरार आरोपी आफताब की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

स्वराज इंडिया की टीम लगातार हाईवे पर सक्रिय डीजल तस्करों और तेल चोर गिरोहों का पर्दाफाश करती रही है। इन खबरों ने प्रशासन का ध्यान खींचा और अब पुलिस विभाग भी तेजी से कार्रवाई करने पर मजबूर हुआ है। हालिया गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि मीडिया की सजगता और पुलिस की तत्परता मिलकर समाज में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगा सकती है।

जागते रहो की आवाजें: नौबस्ता गल्ला मंडी से सनिगवां तक अफवाहों से दहशत

कानपुर। आजकल कानपुर दक्षिण के कई क्षेत्रों में अफवाहों का बाजार गर्म है जिससे हजारों लोग लाठी लेकर अपने अपने क्षेत्र की रखवाली कर रहे हैं। सारी रात जागते रहो की आवाजें लगाई जा रही हैं। कुल मिलाकर दक्षिणी क्षेत्र के कई इलाकों में दहशत है, जहां शाम होते ही घरों के दरवाजे बंद हो जाते हैं। बीते कई दिनों से कानपुर दक्षिण के नौबस्ता गल्ला मंडी, द्विवेदी नगर गल्ला मंडी, धोबिन पुलिया, बंबा के पास, हनुमंत विहा, पाल चौराहा गड़रिया पुरवा, खाड़ेपुर, कांशी राम कालोनी सजारी, सनिगवां समेत कई क्षेत्रों में अफवाह फैली हुई है कि कई गैंग ऐसे घूम रहे हैं जो दिन में क्षेत्र की रेकी करते हैं और रात में लूटपाट और हत्या कर रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि क्षेत्रीय जनता आपस में तालमेल बनाकर रात-रात भर लाठी लेकर पहरा दे रही है और लोगों को सर्तक रखने के लिए जागते रहो चिल्ला रही है। खाड़ेपुर में अर्पित सिंह राणा, राकेश सोनी, अमित शर्मा, डॉ. देवेंद्र पांडेय, सौरभ अवस्थी, सोनू तिवारी, लाल जी अवस्थी आदि ने बताया कि कई क्षेत्रों में वादरात की खबरें मिल रही हैं।

छत से गिरकर अधेड़ की मौत, परिवार में मचा कोहराम

» इटावा निवासी व्यक्ति की कानपुर देहात में दर्दनाक मौत

» पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजकर जांच शुरू की

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के गजनेर थाना क्षेत्र स्थित यूपीएसआईडीसी में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां छत से गिरने से अधेड़ की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।मृतक की पहचान मदनलाल (55 वर्ष), निवासी यादव की मठिया थाना बकेवर, जनपद इटावा के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक मदनलाल छत से अचानक नीचे गिर पड़े, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल इसकी सूचना यूपीएसआईडीसी के अमित कुमार ने पुलिस को दी।सूचना पर चौकी प्रभारी ग्रोथ सेंटर सुनील सिसोदिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और परिजनों की तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 l Email: swarajindia2023@gmail.com l Mob: 7800009853, l Website: www.swarajindianews.com l (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सेवा पखवाड़ा में लगा स्वास्थ्य मेला

» रनियां पीएचसी में 102 मरीजों का हुआ इलाज
» विशेषज्ञ डॉक्टरों ने महिलाओं की जांच कर दी दवाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़ा व स्वस्थ नारी सशक्त अभियान के तहत रनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में सोमवार को स्वास्थ्य मेला आयोजित हुआ। मेले का शुभारंभ भाजपा नेता अंशु तिवारी और पूर्व जिला उपाध्यक्ष बालजी शुक्ला ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

,मेले में मरीजों की ब्लड ग्रुप, मलेरिया, डेंगू, एचआईवी, हेमोटाइटस सी समेत कई बीमारियों की जांच की गई। इसके अलावा फीवर डेस्क लगाकर बुखार के मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाएं दी गईं।

महिला विशेषज्ञ ने संभाला मोर्चा

स्वस्थ नारी सशक्त अभियान के तहत सरवनखेड़ा सीएचसी से महिला विशेषज्ञ डॉ. मयूरी गुप्ता पहुंचीं। उन्होंने महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच की और दवाएं दीं। रनियां निवासी रंजना और दामिनी समेत कई महिलाओं ने अपने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर परामर्श लिया। डॉक्टर ने दवा खाने के बाद आराम न मिलने पर जांच कराने की सलाह दी।पीएचसी प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल भसीन ने बताया कि मरीजों का पहले आधार कार्ड से पंजीकरण किया गया,

उसके बाद इलाज किया गया। करीब ढाई बजे तक 102 मरीज देखे गए। उन्होंने बताया कि पीएचसी में एक्स-रे मशीन उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को मेडिकल कॉलेज भेजना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं की एंटी नेटल केयर जांच भी की गई, जिससे गर्भावस्था के दौरान शरीर में होने वाली समस्याओं का पता चल सके।मेले में पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुशवाहा, अंकित परमार, मंडल उपाध्यक्ष बीनू मिश्र, बउअन द्विवेदी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ओवरलोड वाहन भर रहे मौत की रफ्तार

» ओवरलोड वाहन बने हादसों का सबब
»आरटीओ और पुलिस की मिलीभगत से खुला खेल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर-झांसी हाईवे पर रात ढलते ही ओवरलोड डंफर और शताब्दी बसें धड़ल्ले से दौड़ती हैं। ये वाहन न सिर्फ हादसों को न्योता दे रहे हैं बल्कि शासन के राजस्व को भी करोड़ों का चूना लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आँख मूंदे बैठे हैं और पूरा खेल साहबों की मेहरबानी से चल रहा है।बारा टोल प्लाजा से निकलने वाली शताब्दी बसें सवारियों के बजाय ओवरलोड माल ढो रही हैं।

इन बसों में लाखों रुपये की जीएसटी चोरी की आशंका है। माँवर के पास एक बस इतनी ज्यादा सामान से भरी हुई थी कि उसका संतुलन बिगड़ने का खतरा हर पल बना रहा। खास बात यह है कि इन बसों पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन हर बार परमिट और फिटनेस दोबारा रिन्यू करा दिए जाते हैं।इसी तरह, डंफरों में मौरंग, गिट्टी और अन्य सामग्री ओवरलोड की जाती है।

कई डंफर बिना नंबर प्लेट के हाईवे पर दौड़ रहे हैं। कुछ वाहनों की नंबर प्लेट मिट्टी और ग्रीस से धुंधली कर दी जाती है ताकि पहचान मुश्किल हो। इन वाहनों से न केवल सड़क पर खतरा कई गुना बढ़ता है, बल्कि राजस्व चोरी भी खुलेआम होती है।भोगनीपुर चौराहे से लेकर लालपुर तक हर शाम ओवरलोड वाहन लाइन से खड़े हो जाते हैं। यहाँ तथाकथित प्रभावशाली लोग और कुछ मीडिया कर्मियों की मिलीभगत से चंदा वसूला जाता है। यह रकम अंततः साहब तक पहुंचती है, जिसके बाद प्रवर्तन टीमें कार्रवाई से कन्नी काट लेती हैं। पुलिस और परिवहन विभाग की चेकिंग केवल छोटे वाहनों और बाइक चालकों तक सीमित रह जाती है।इन ओवरलोड वाहनों के कारण जहां हाईवे की हालत बिगड़ रही है, वहीं सरकार को सीधा करोड़ों का नुकसान हो रहा है। छोटे वाहनों से चालान कर रिपोर्ट तैयार कर दी जाती है, जबकि असली लूट बड़ी गाड़ियों से हो रही है। सवाल यह है कि क्या शासन-प्रशासन नींद से जागकर ठोस कार्रवाई करेगा या फिर हाईवे पर मौत की रफ्तार इसी तरह दौड़ती रहेगी।

औद्योगिक नगरी रनियां में धूमधाम से मनी विश्वकर्मा जयंती

» फैक्ट्रियों व कारखानों में मशीनों की पूजा, सुख-समृद्धि की कामना
»भव्य भंडारों में जुटे श्रद्धालु, औद्योगिक क्षेत्र में रही रौनक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती सोमवार को औद्योगिक क्षेत्र रनियां में धूमधाम से मनाई गई। क्षेत्र के विभिन्न कारखानों और औद्योगिक इकाइयों में विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई और सुख-समृद्धि की कामना की गई। साथ ही जगह-जगह भंडारे आयोजित कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

कानपुर एडविल्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में एमडी मनोज गुप्ता और अनिकेत गुप्ता ने पूजा-अर्चना कर मशीनों की आरती उतारी। फैक्ट्री परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें जीएम मनोज शर्मा, राजीव जैन, यश मेहता, परवेश तिवारी, मृदुलेन्द सिंह, प्रतीक कटियार, मोहन भाई, मेराज अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।बाबा आनंदेश्वर टेक्सटाइल में जीएम राकेश त्रिपाठी ने पूजन कराया। बिजली घर रनियां में अधीक्षण अभियंता सुमित व्यास और अधिशासी अभियंता पुष्प देव ने पूजा की।

इसी तरह एसडीओ विकास सोनी, जेई विनोद कुमार और अभिनव श्रीवास्तव ने भी पूजा-अर्चना की।परसौली में अजय मोटर्स के संचालक अजय यादव और किसरवल रोड स्थित शिव मोटर्स के संचालक अंकित गुप्ता ने विधिवत पूजा कर भंडारे का आयोजन किया।

रनियां स्थित जेके पॉलीमर फैक्ट्री में मालिक हरदीप सिंह राखरा ने श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर कर्मचारियों को प्रसाद वितरित किया।पूरे रनियां औद्योगिक क्षेत्र में विश्वकर्मा जयंती को लेकर दिनभर उत्सव का माहौल रहा।

सीएमओ की अभद्रता से भड़के डॉक्टर, गाड़ी घेरकर किया हंगामा

» चिकित्सा अधीक्षक को गाली देने पर फूटा डाक्टरों का गुस्सा

अमर्यादित भाषा पर भड़के स्वास्थ्यकर्मी, पुलिस ने बचाई सीएमओ की जान

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रूखाबाद। मोहम्मदाबाद ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सोमवार को बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) और चिकित्सा अधीक्षक के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि सीएमओ ने कथित तौर पर चिकित्सा अधीक्षक को गाली दे डाली।

इस घटना के बाद डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने सीएमओ के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।प्रभारी मंत्री के कार्यक्रम स्थल से रवाना होते ही स्वास्थ्यकर्मियों ने सीएमओ की गाड़ी को घेर लिया। गुस्साए डॉक्टरों और कर्मचारियों ने नारेबाजी की और उन्हें गाड़ी से उतारने तक की कोशिश की।

मौके पर माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि हाथापाई की नौबत आ गई।स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने बीच-बचाव किया और किसी तरह सीएमओ को सुरक्षित बाहर निकाला।

गुस्साए कर्मचारियों का कहना है कि अधिकारियों से इस तरह की भाषा की उम्मीद नहीं की जा सकती। उनका कहना है कि जब तक इस मामले पर ठोस कार्रवाई नहीं होगी, विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। आम जनता और

कर्मचारियों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यदि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ही मर्यादा की सीमाएं तोड़ेंगे तो अधीनस्थ कर्मचारियों से अनुशासन की उम्मीद कैसे की जाएगी।स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच बैठाने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल, माहौल को शांत कराने के लिए पुलिस प्रशासन को सीएचसी पर तैनात किया गया है।

उत्तर प्रदेश में 16 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए 16 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। पिछले एक सप्ताह से लगातार नौकरशाही और पुलिस महकमे में फेरबदल किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और अधिकारियों को भी बदला जा सकता है।

प्रदेश सरकार का कहना है कि ये तबादले प्रशासनिक सुचारू कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किए गए हैं।तबादलों की सूची में कई जनपदों के कप्तान और वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्य तबादले इस प्रकार हैं

हेमराज मीना और संतोष कुमार मिश्रा को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध किया गया।

जय प्रकाश सिंह को उन्नाव का कप्तान बनाया गया।

संजीव सुमन को देवरिया की कमान मिली।

विक्रांत वीर को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध किया गया।

नीरज जादौन अलीगढ़ के एसएसपी बनाए गए।

अशोक कुमार मीना को हरदोई का कप्तान नियुक्त किया गया।

अभिषेक वर्मा को सोनभद्र की जिम्मेदारी मिली।

दीपक भूकर को प्रतापगढ़ का कप्तान बनाया गया।

डॉ. अनिल कुमार (II) को आजमगढ़ का एसएसपी नियुक्त किया गया।

केशव कुमार को कुशीनगर का एसपी बनाया गया।

अभिजीत आर. शंकर को अम्बेडकर नगर का एसपी बनाया गया।

अभिषेक भारती को औरैया का कप्तान नियुक्त किया गया।

मनीष कुमार शांडिल्य को डीसीपी प्रयागराज बनाया गया।

अनिल कुमार झा को एसपी रेलवे आगरा की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सर्वेश कुमार मिश्रा को सेनानायक चौथी वाहिनी पीएसी नियुक्त किया गया।

बेसिक शिक्षा विभाग में तबादला, सात जिलों के बीएसए बदले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने सात जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) का तबादला कर दिया है। नए आदेश के तहत अनुराग श्रीवास्तव को वाराणसी, रतन कीर्ति को मथुरा, सचिन कसाना को बिजनौर, लालचंद्र को अयोध्या, संगीता सिंह को गोरखपुर, योगेंद्र कुमार और हेमंत राव तथा शिवेंद्र प्रताप सिंह को अलग-अलग जिलों में नई जिम्मेदारी दी गई है। विभाग का कहना है कि ये फेरबदल शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने और विभागीय कामकाज को गति देने के लिए किए गए हैं।

दियरा स्टेट में छिपा है 2000 हजार करोड़ की जमीन घोटाला !

» राजस्व अफसरों पर मिलीभगत का आरोप

» फर्जी दस्तावेज़ और जाली हस्ताक्षरों से हड़पी जा रही है राजसी जमीनें

» एडीजी की पत्नी के नाम पर भी करोड़ों की ज़मीन!

» अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण पर दिया संरक्षण?

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।राम नगरी की पवित्र धरती पर 2000 करोड़ रुपये से अधिक की भूमि घोटाले की गूंज ने प्रशासन से लेकर सत्ता गलियारों तक को हिला दिया है। दियरा स्टेट के वैध उत्तराधिकारी और वर्तमान मुखिया राजा बृजेन्द्र प्रताप शाही ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी पैतृक जमीनों को फर्जी दस्तावेजों, जाली हस्ताक्षरों और राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से हड़पने का खेल वर्षों से जारी है।

» राजा बृजेन्द्र प्रताप शाही ने लगाई मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

राजा शाही ने बताया कि उनके पिता राजा जगदीश प्रताप शाही के केवल तीन पुत्र—स्व. रामानुज प्रताप शाही, बृजेन्द्र प्रताप शाही और मरुतेंद्र प्रताप शाही थे। इसके बावजूद शिवेंद्र प्रताप शाही ने फर्जी सहमति पत्र और नकली नियुक्ति पत्र बनवाकर खुद को उत्तराधिकारी घोषित करा लिया। हैंडराइटिंग और सिग्नेचर विशेषज्ञों की रिपोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि यह दस्तावेज पूरी तरह जाली हैं।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता शरद पाठक बाबा ने बताया कि प्रदेश के एडीजी स्तर के वरिष्ठ अधिकारी नामाला रविन्द्र की पत्नी के नाम तक साढ़े तीन सौ करोड़ की जमीन औने-पौने दाम पर लिख दी गई।

उनका कहना है कि अयोध्या विकास प्राधिकरण ने बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल किए विवादित जमीनों पर नक्शा तक पास कर दिया। परिणाम यह हुआ कि आज असली उत्तराधिकारी अपनी ही पैतृक संपत्ति से बेदखल हैं, जबकि कब्जाधारी अवैध निर्माण कर आराम से बैठे हैं।

राजा शाही ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा हमें विश्वास है कि योगी जी की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत इस घोटाले में शामिल हर जालसाज जेल जाएगा।

हमारी धरोहर और न्याय की रक्षा केवल मुख्यमंत्री ही कर सकते हैं।

दियरा स्टेट सिर्फ भूमि का नाम नहीं, बल्कि इसका इतिहास भगवान राम से जुड़ा है। मां बड़ी देवकाली मंदिर और सुल्तानपुर स्थित धोपाप मंदिर जैसी पौराणिक धरोहरें इसी स्टेट की पहचान हैं। राजा शाही का कहना है कि यदि यह षड्यंत्र नहीं रुका तो अयोध्या की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर खतरे में पड़ जाएगी। प्रेसवार्ता में रानी शालिनी शाही राज परिवार के मैनेजर फूलचंद यादव,नरेंद्र पाठक सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

घोटाले का दायरा सिर्फ फर्जीवाड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि कीमती जमीनों की बिक्री और अवैध कब्जे तक जा पहुंचा है

माझा जमथरा - 1040 विस्वा (सर्किल दर 1.50 अरब)
देवकाली - 136 विस्वा + 3.25 विस्वा का बैनामा
रानोपाली - 29 विस्वा
अंकारीपुर - 27 विस्वा

स्वराज इंडिया का सवाल

-क्या प्रशासन और राजस्व विभाग की मिलीभगत से 2000 करोड़ की जमीन हड़पी जा रही है?
-क्या बड़े अफसरों और रसूखदारों के नाम पर अवैध कब्जे को संरक्षण मिला हुआ है?
-क्या योगी सरकार सचमुच इस महाघोटाले पर कार्रवाई करेगी?

अयोध्या में स्वास्थ विभाग की बदहाली गैलरी लेबर रूम, फर्श बना प्रसूति कक्ष!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामराज्य की धरती पर स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। रुदौली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार देर रात वह मंजर देखने को मिला, जिसने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी।लखनीपुर भेलसर की गर्भवती महिला राधा को भर्ती तो कर लिया गया, लेकिन अस्पताल ने बेड देने से इनकार कर दिया। पीड़ा से कराहती महिला को गैलरी की चटाई पर लिटा दिया गया।

नर्सें – रंजना, वर्षा और सुषमा – बुलाने पर भी नहीं आईं, बल्कि परिजनों से अभद्रता करती रहीं। रात ढाई बजे दर्द असहनीय हुआ और गैलरी ही लेबर रूम बन गई। सरकारी अस्पताल का फर्श प्रसूति कक्ष में बदल गया और वहीं महिला ने बच्चे को जन्म दिया। नवजात और मां की चीखें सरकारी लापरवाही की गवाही बन गईं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. फातिमा हसन घर पर आराम फरमा रही थीं। सफाई में कहा कि 卐आवास उपलब्ध नहीं था, इसलिए अस्पताल में मौजूद नहीं थी। सवाल यह है – अगर अधीक्षक ही गायब हों और नर्सें सेवा की जगह लापरवाही में डूबी हों, तो सरकार के स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार जैसे अभियान क्या सिर्फ नारों तक सीमित हैं?

घटना की भनक लगते ही क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव मौके पर पहुंचे और नर्सों को फटकार लगाई। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या फटकार से स्वास्थ्य तंत्र सुधरेगा, या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबा रह जाएगा? यह वाकया सिर्फ एक प्रसूता का दर्द नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की असलियत है। जहां कुर्सियां तो भरी हैं, लेकिन जिम्मेदारी खाली है।

» सीएचसी रुदौली की नर्सों ने ठुकराई जिम्मेदारी

» गर्भवती ने अस्पताल की गैलरी में दिया बच्चे को जन्म

भारत पर उंगली उठाने से पहले अमेरिका अपने गिरेबान में झांके

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» ड्रग्स के सबसे बड़े उपभोक्ता का ठप्पा अमेरिका पर लेकिन भारत को दिखा रहा उंगली

नई दिल्ली।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 देशों की सूची कांग्रेस में पेश की है, जिन पर ड्रग्स के अवैध उत्पादन और तस्करी में शामिल होने का संदेह जताया गया है। इस सूची में भारत का नाम भी शामिल किया गया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि यह रिपोर्ट वस्तुस्थिति से परे है और अमेरिका को पहले अपने देश में फैलती ड्रग्स की महामारी पर काबू पाना चाहिए।

अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा ड्रग्स उपभोक्ता बाजार

भारत पर आरोप, लेकिन असली समस्या अमेरिका के भीतर है । फेंटेनाइल और अन्य सिंथेटिक ड्रग्स से हर साल लाखों अमेरिकी नागरिकों की मौत होती है।

अमेरिकी ड्रग्स माफिया और वहां की ढीली कानून व्यवस्था ने नशे की समस्या को विकराल बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को इस सूची में शामिल करना तथ्यों से ज्यादा राजनीतिक बयानबाज़ी है। जबकि वास्तविकता यह है कि भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशे के खिलाफ सबसे सख्त कानून और कार्यवाही करने वाले देशों में गिना जाता है। भारत में एनडीपीएस एक्ट (Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act) दुनिया के सबसे कड़े कानूनों में से एक है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो लगातार अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर बड़े ड्रग्स सिंडिकेट्स का पर्दाफाश कर रहा है। भारत ने ड्रग्स फ्री इंडिया अभियान के तहत युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता और शिक्षा पर ज़ोर दिया है।

चीन और पाकिस्तान की तुलना अनुचित

अमेरिका ने भारत की तुलना चीन और पाकिस्तान जैसे देशों से कर दी है। जबकि हकीकत यह है कि—चीन फेंटेनाइल जैसे सिंथेटिक ड्रग्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान से हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी का प्रमुख मार्ग रहा है। भारत की स्थिति इनसे बिल्कुल अलग है।

भारत का पलटवार - अमेरिका खुद जिम्मेदार

भारतीय विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका अपने देश में फैल रही ड्रग्स महामारी के लिए बाहरी देशों को दोष देने की बजाय अपनी खपत पर नियंत्रण करे। भारत इस चुनौती से निपटने के लिए हमेशा गंभीर रहा है और विश्व मंच पर जिम्मेदार साझेदार के रूप में काम कर रहा है।भारत को ड्रग्स की समस्या में लपेटना अमेरिकी राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि नशे का सबसे बड़ा केंद्र अमेरिका के भीतर ही है। भारत इस वैश्विक संकट का हिस्सा नहीं, बल्कि इसका समाधान है।

महंगी पड़ी प्रैक्टिस

बलात्कारियों की पैरवी करने वाली

हाई-प्रोफाइल वकील पर उठ रहे सवाल !

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाली एडवोकेट मनीषा भंडारी एक बार फिर विवादों में हैं

नई दिल्ली। नैनीताल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाली एडवोकेट मनीषा भंडारी एक बार फिर विवादों में हैं। इन पर आरोप है कि ये हाई-प्रोफाइल अपराधियों, बलात्कारियों और हत्यारों के लिए पहली पसंद बन चुकी हैं।उत्तराखण्ड राज्य के पिथौरागढ़ की मासूम कशिश कांड में दोषी करार दिए गए अख्तर अली को निचली अदालत और हाईकोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में मनीषा भंडारी की दलीलों के दम पर वह सजा से बच निकला।

अदालत ने सबूतों को परिस्थितिजन्य बताते हुए उसे बरी कर दिया। सवाल यह है कि जब निचली अदालत और हाईकोर्ट ने उन्हीं सबूतों के आधार पर मृत्युदंड दिया था, तो क्या अचानक सुप्रीम कोर्ट की नजर में वे सबूत इतने कमजोर हो गए?

यह पहला मामला नहीं है। 2005 के निठारी कांड में दर्जनों बच्चों के बलात्कारी व हत्यारे सुरेंद्र कोली और मोनिंदर सिंह पांढेर को भी मनीषा भंडारी की दलीलों ने फांसी के फंदे से बचा लिया था। आज ये दोनों भी जेल से बाहर हैं।

कशिश कांड में भंडारी ने कोर्ट में कई तर्क दिए—पुलिस ने पीड़िता के चचेरे भाई को जानबूझकर संदेह से बाहर रखा। डीएनए सैंपल में छेड़छाड़ का आरोप लगाया। गिरफ्तारी को फर्जी बताते हुए पूरी जांच पर सवाल खड़े किए। इन दलीलों और सरकारी वकीलों की लापरवाहियों का फायदा आरोपी को मिला और अदालत ने उसे बाइज्जत बरी कर दिया।

आलोचना के घेरे में न्याय प्रणाली !

इस मामले से पीड़ित परिवारों और समाज का आक्रोश बढ़ा है। लोग सवाल कर रहे हैं कि जब अदालतें परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आम नागरिकों को सालों जेल में रख सकती हैं, तो बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों में उन्हें क्यों बरी कर देती हैं?

सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मामूली ट्रक ड्राइवर अख्तर अली इतना महंगा वकील कैसे कर पाया, जिसकी एक सुनवाई की फीस लाखों में बताई जाती है? क्या उसके पीछे कोई बड़ा गिरोह या फंडिंग काम कर रही थी?

मनीषा भंडारी का रिकॉर्ड यह दर्शाता है कि वह अक्सर उन अपराधियों की वकालत करती हैं, जिन्हें समाज सबसे घृणित अपराधों का दोषी मानता है।

इससे न्याय प्रणाली पर अविश्वास गहराता है और यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर न्यायालय अपराधियों को बचाने का माध्यम बन रहा है या पीड़ितों को न्याय दिलाने का?